

**अरट्ट पुं.** (तत्.) अरल नामक वृक्ष।

**अरणि, अरणी स्त्री** (तत्.) 1. एक प्रकार का वृक्ष जिसकी लकड़ी को रगड़कर आग निकालकर यज्ञ किया जाता था 2. सूर्य, चकमक पत्थर, अग्नि।

**अरण्य पुं.** (तत्.) जंगल, वन, कानन, बंजर भूमि, रेगिस्तान।

**अरण्यक पुं.** (तत्.) 1. जंगल 2. जंगलवासी समाज 3. दे. अरण्या।

**अरण्यगान पुं.** (तत्.) 1. सामवेद का गान जो जंगल में होता था 2. निष्फल प्रार्थना 3. नाक्ष.अर्थ. वह सुंदर कार्य जिसे देखने-सुनने या समझने वाला कोई न हो।

**अरण्यचंद्रिका स्त्री.** (तत्.) वन की ज्योत्स्ना, जिसे देखने या प्रशंसा करने वाला न हो, किसी स्त्री का ऐसा शृंगार जिसकी प्रशंसा करने वाला कोई न हो।

**अरण्यरोदन पुं.** (तत्.) निष्फल रोना, ऐसी पुकार जिसे सुनने वाला कोई न हो।

**अरण्य विनाप पुं.** (तत्.) 1. जंगल या एकांत में रोना, जिसे सुनने-देखने वाला कोई नहीं 2. निष्फल कथन या निवेदन। पर्या. अरण्यरोदन।

**अरण्या स्त्री** (तत्.) एक वन-औषधि।

**अरण्यानी, अरण्यानि स्त्री.** (तत्.) 1. विशाल जंगल, बीहड़ 2. वन-देवी।

**अरण्यीय वि.** (तत्.) जंगल में होने वाला, जंगल से संबंधित, बनैला, जंगली।

**अरत वि.** (तत्.) 1. जो किसी काम में न लगा हो 2. विरक्त, जो अनुरक्त न हो, जो आसक्त न हो।

**अरति स्त्री.** (तत्.) 1. किसी से अनुराग न होने की स्थिति 2. विराग, मन का न लगना 3. व्यथा, पीड़ा।

**अरत्नि पुं.** (तत्.) 1. बाँह 2. कोहनी 3. कोहनी से कनिष्ठा उंगली तक की लंबाई।

**अरथ पुं.** (तद्.) दे. अर्थ।

**अरथी वि.** (तद्.) 1. युद्ध में रथ का उपयोग न करने वाला योद्धा 2. दे. अर्थी 3. शव के अंतिम संस्कार के लिए प्रयुक्त होने वाला लकड़ी या बाँस का ढाँचा, टिकटी।

**अरद वि.** (तत्.) बिना दाँतवाला, जिसके दाँत न हों।

**अरदन वि.** (तत्.) जिसके दाँत न हों, दंतहीन।

**अरदना स.क्रि.** (तद्.) अर्दन, मसलना, कुचलना, मार डालना।

**अरदली पुं.** (अं.) अधिकारी के साथ नियुक्त चपरासी; अधिकारी के सेवक या भृत्य के रूप में कार्य करने वाला। orderly

**अरदावा पुं.** (तत्.) 1. अर्दित या दला हुआ अन्न 2. भरता।

**अरदास स्त्री.** (फा.) 1. सविनय भेंट 2. नजराना 3. (भेंट-सहित) प्रार्थना, विनती।

**अरधंग पुं.** (तद्.) 1. आधा अंग 2. अर्धांग रोग, वह रोग जिसमें आधा अंग निष्क्रिय हो जाता है, पक्षाघात, लकवा।

**अरधंगी स्त्री.** (तद्.) अर्धांगिनी, स्त्री, पत्नी।

**अरना पुं.** (तद्.) भैंसे जैसा एक बलवान वन्य पशु, जंगली भैंसा।

**अरब पुं.** (तत्.) 1. अर्बुद, सौ करोड़ की संख्या 2. अरब देश 3. अरब देश का निवासी 4. घोड़ा 5. इंद्र

**अरबराना अ.क्रि.** (देश.) 1. विचलित होना, घबराना 2. लड़खड़ाना।

**अरबिस्तान पुं.** (अर.) अरब देश।

**अरबी स्त्री.** (फा.) 1. अरब देश की भाषा; इस भाषा की लिपि 2. अरब देश से संबंधित।

**अरबीला वि.** (देश.) 1. आन-बान वाला 2. अड़ जानेवाला 3. युद्ध में डटा रहनेवाला।

**अरमण वि.** (तत्.) अरुचिकर, असुंदर।

**अरमाँ पुं.** (फा.) दे. अरमान।